investigations carried on in the Godavari Delta area are encouraging and further investigations are likely to be made there?

Shri K. D. Malaviya: No investigation has so far been undertaken in the east coast or in the west coast of our country. It is only a geological, superficial examination by some geological experts from Germany. We are still waiting for the full assessment and interpretation by our own experts.

Shri C. R. Narasimhan: May I know whether experts other than the Russians and Germans visited the area at any time?

Shri K. D. Malaviya: Our own experts have visited the area.

Shri Goray: May I know what were the areas surveyed?

Shri K. D. Malaviya: I have only mentioned the areas which the German experts visited.

बन्दरों की मृत्यु

७४. **श्री रघुनाथ सिंह :** क्या गृह-कार्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि इस वर्ष मार्च के अन्तिम सप्ताह में दिल्ली में बहुत बड़ी संख्या में बन्दर मरे हुए पाये गये ; और

(ख) यदि हां, तो ये बन्दर अपनी मौत से मरे अथवा किसी ने इनको मारने की कोशिश की थी?

गृह-कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री [श्री दातार] : (क) जी हां।

(ख) उस इलाके के जिन्दा और मरे हुए बन्दरों की जांच करने के बाद डाक्टरों रिपोर्ट दी है कि अपर्याप्त भोजन, आन्तरिक संक्रामक रोग (आंतों तथा पेट में सूजन) तथा ओला-वृष्टि से मौसम खराब हो जाने के कारण ही उनकी मृत्यु हुई।

I will read the English answer also.

(a) Yes.

(b) Medical experts have reported after observation of the live monkeys found in the area, and autopsy of dead monkeys, that the fatality among the monkeys was due to insufficient diet superadded by intercurrent infection (gastro-enteritis) and adverse climatic conditions created by severe hailstorm.

Shri Supakar: May I know on how many monkeys *post mortem* examination was held?

Shri Datar: In all 50 monkeys died.

Shri Kamalnayan Bajaj: May I know whether those who are responsible for the under-nourishment of these monkeys will be taken to task?

Shri Datar: Investigation is going on.

अंग्रेजी-हिन्दी शब्द-कोष

७५. **श्री नवल प्रभाकर :** क्या शिक्षा तथा वैज्ञानिक गवेषणा मंत्री १६ नवम्बर १९५६ के तारांकित प्रश्न संख्या १२१ के उत्तर के सम्बन्ध में यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) अंग्रेजी-हिन्दी शब्द-कोष बनाने में अब कितना खर्च हो चुका है; और

(ख) इसके कब तक प्रकाशित होने की संभावना है?

शिक्षा तथा वैज्ञानिक गवेषणा मंत्रालय में राज्य-मंत्री (डा० का० ला० श्रीमाली) : (क) १,००,००० रु०।

(ख) आशा है कि पांडुलिपि १९५७ के अन्त तक तैयार हो जायेगी; उसके बाद शब्द कोष प्रकाशन के प्रश्न पर विचार किया जायेगा।

श्री नवल प्रभाकर : इसके संकलन में किन किन विशेषज्ञों की सहायता ली गई है?